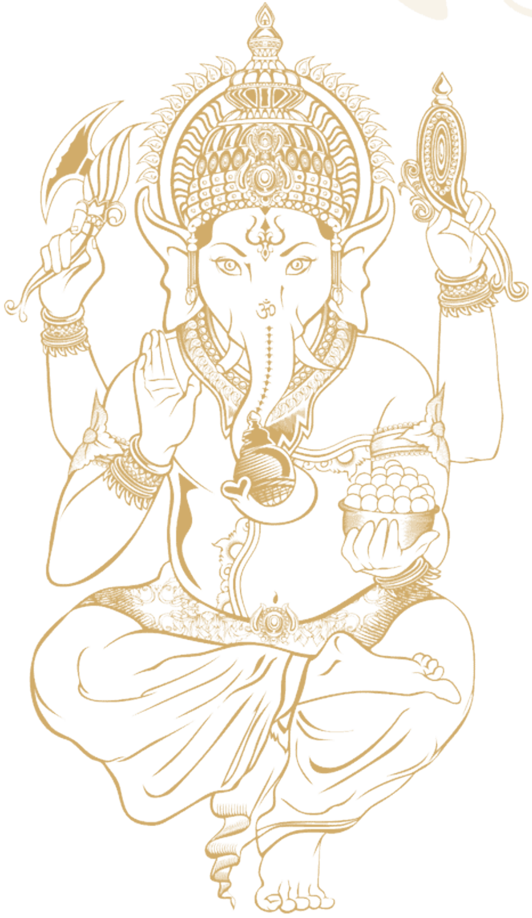

Boy

05 Mar 2026

06:26 PM

Hyderabad

Model: web-freekundliweb **Order No: 121684502**

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/03/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**18:26:00 घंटे**
इष्ट	29:44:27 घटी
स्थान	**Hyderabad**
राज्य	Telangana
देश	India

अक्षांश	17:22:00 उत्तर
रेखांश	78:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:09:44 घंटे
वेलान्तर	-00:11:31 घंटे
साम्पातिक काल	05:02:53 घंटे
सूर्योदय	06:32:13 घंटे
सूर्यास्त	18:23:36 घंटे
दिनमान	11:51:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	20:43:54 कुम्भ
लग्न के अंश	22:06:01 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	गण्ड
करण	वणिज
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ष-षडबली
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	22:06:01	344:25:51	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कुंभ	20:43:54	01:00:05	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	15:24:03	12:43:26	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	08:05:44	00:47:16	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	24:31:37	00:55:42	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:54:51	00:01:06	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	04:38:38	01:14:41	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	उच्च राशि
शनि			मीन	08:02:41	00:07:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:44:42	00:00:39	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:44:42	00:00:39	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:36:50	00:01:31	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:59:03	00:02:12	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:25:43	00:01:33	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	22:38:01	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

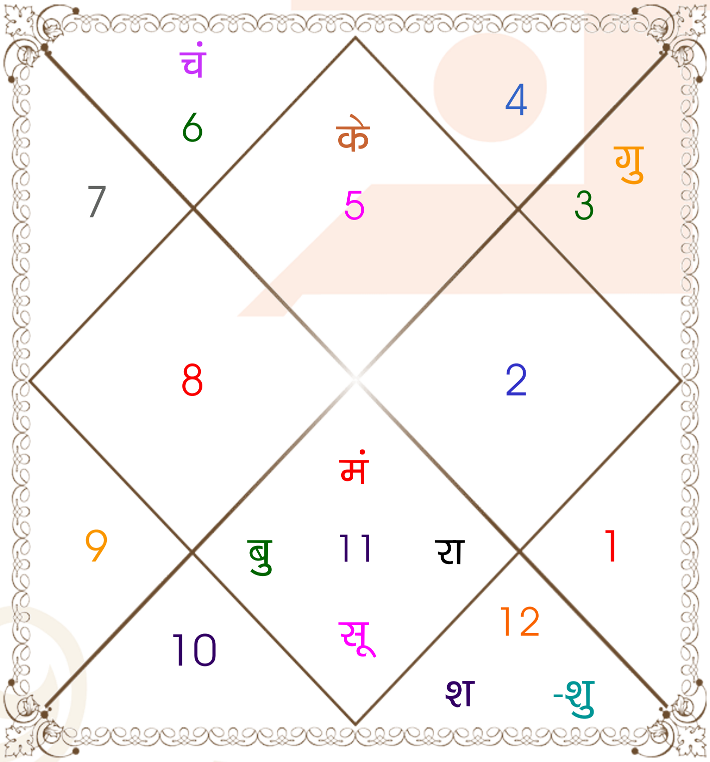

चन्द्र कुंडली

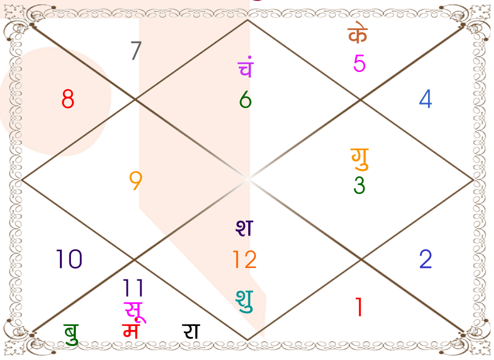

नवमांश कुंडली

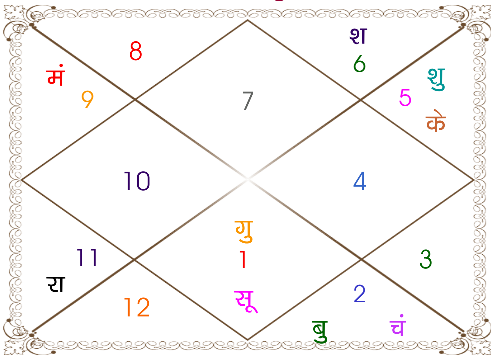

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 11 मास 11 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/03/2026		15/02/2032		15/02/2039		15/02/2057		15/02/2073	
15/02/2032		15/02/2039		15/02/2057		15/02/2073		15/02/2092	
	00/00/0000	मंगल	13/07/2032	राहु	28/10/2041	गुरु	05/04/2059	शनि	18/02/2076
	00/00/0000	राहु	01/08/2033	गुरु	23/03/2044	शनि	16/10/2061	बुध	28/10/2078
	05/03/2026	गुरु	08/07/2034	शनि	28/01/2047	बुध	22/01/2064	केतु	07/12/2079
गुरु	17/05/2026	शनि	17/08/2035	बुध	16/08/2049	केतु	28/12/2064	शुक्र	06/02/2083
शनि	16/12/2027	बुध	13/08/2036	केतु	04/09/2050	शुक्र	29/08/2067	सूर्य	19/01/2084
बुध	17/05/2029	केतु	09/01/2037	शुक्र	03/09/2053	सूर्य	16/06/2068	चंद्र	19/08/2085
केतु	16/12/2029	शुक्र	11/03/2038	सूर्य	29/07/2054	चंद्र	16/10/2069	मंगल	28/09/2086
शुक्र	17/08/2031	सूर्य	17/07/2038	चंद्र	28/01/2056	मंगल	22/09/2070	राहु	04/08/2089
सूर्य	15/02/2032	चंद्र	15/02/2039	मंगल	15/02/2057	राहु	15/02/2073	गुरु	15/02/2092

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
15/02/2092		16/02/2109		16/02/2116		16/02/2136		16/02/2142	
16/02/2109		16/02/2116		16/02/2136		16/02/2142		00/00/0000	
बुध	14/07/2094	केतु	15/07/2109	शुक्र	18/06/2119	सूर्य	05/06/2136	चंद्र	17/12/2142
केतु	11/07/2095	शुक्र	14/09/2110	सूर्य	17/06/2120	चंद्र	04/12/2136	मंगल	18/07/2143
शुक्र	11/05/2098	सूर्य	20/01/2111	चंद्र	16/02/2122	मंगल	11/04/2137	राहु	16/01/2145
सूर्य	17/03/2099	चंद्र	21/08/2111	मंगल	18/04/2123	राहु	06/03/2138	गुरु	06/03/2146
चंद्र	17/08/2100	मंगल	17/01/2112	राहु	18/04/2126	गुरु	23/12/2138		00/00/0000
मंगल	14/08/2101	राहु	03/02/2113	गुरु	17/12/2128	शनि	05/12/2139		00/00/0000
राहु	03/03/2104	गुरु	10/01/2114	शनि	16/02/2132	बुध	11/10/2140		00/00/0000
गुरु	08/06/2106	शनि	19/02/2115	बुध	17/12/2134	केतु	16/02/2141		00/00/0000
शनि	16/02/2109	बुध	16/02/2116	केतु	16/02/2136	शुक्र	16/02/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 11 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरुस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, ंमंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।